भगवान शिव की पूजा

एक गैलरी

भगवान शिव, जिनका स्वरूप चिति और प्रेम है, वे परम सत्य का मूर्तरूप हैं। उनके भक्त, उनकी पूजा असंख्य तरीक़ों से करते हैं। पूजा करने की एक शास्त्रोक्त विधि है, भगवान शिव की छवि को मन में धारण करना।

जैसे-जैसे हमारा ध्यान भगवान शिव की तस्वीर या छवि पर स्थिर होने लगता है, वैसे-वैसे हमारा बोध अन्तर की ओर आकर्षित होने लगता है। वहाँ, हृदय की निःस्तब्धता और मौन में, भगवान शिव का धाम है — निराकार और अनुभवातीत। भगवान के साथ एकाकार हो जाने पर हम यह जान जाते हैं कि 'वे' हमारी अपनी सच्ची आत्मा हैं।

इस गैलरी को देखते समय, एक क्षण लें और इन छवियों के द्वारा अपने बोध को अन्तर की ओर ले जाने दें। मनन के बाद, आप चाहें तो अपने अनुभव अन्य साधकों को बता सकते हैं।

©२०१८ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।